

station (vgl. ह्यग्रीव) 12, 4515. 12864. 12923. HARIV. 11411. 14361. BHĀG. P. 7, 9, 37. — 3) f. N. pr. einer Tochter Puloman's HARIV. 207 (पृथुशिरस् die neuere Ausg.). Vaiçvānara's VP. 1, 24, 7; vgl. शिरा. ह्यशिरा f. N. pr. einer Tochter Vaiçvānara's BHĀG. P. 6, 6, 32. fg.; vgl. ह्यशिरस् 3).
ह्यशिरा m. Füllen VARĀH. BRH. S. 66, 5.
ह्यशीर्ष adj. einen Pferdekopf habend, m. Vishṇu in einer best. Manifestation BHĀG. P. 6, 8, 15. शीर्षन् 2, 7, 11. Unbestimmt ob शीर्ष oder शीर्षन्: वासुदेवस्य प्रिया तन् धर्ममयी शीर्षाभिधानाम् 5, 18, 1. शीर्षपञ्चरात्र Verz. d. Oxf. H. 87, b, 36. fg. 280, a, 4. 5. 292, b, 37. Verz. d. B. H. No. 1403 (पञ्चरात्रिः).
ह्यस्कन्ध m. ein Trupp Pferde HĀR. 134.
ह्याङ्ग (ह्य + 3. अङ्ग) adj. einen Pferdeleib habend; m. der Schütze im Thierkreise VARĀH. BRH. 1, 14.
ह्याध्यक्ष (ह्य + अ°) m. Stallmeister ÇKDR.
ह्यानन्द (ह्य + आ°) m. Phaseolus Mungo (die Freude der Pferde) RĀGĀN. 16, 37.
ह्यारि (ह्य + अरि Feind) m. Nerium odorum RATNAM. 78. RĀGĀN. 10, 10. PAÑKĀR. 3, 6, 17.
ह्यारोह (ह्य + आ°) m. Reiter zu Pferde AK. 3, 4, 19, 110. MBH. 6, 1776. R. GORR. 2, 123, 14. KATHĀS. 18, 93.
ह्यालय (ह्य + आ°) m. Pferdestall: सरटं वार्येन्नित्यं प्रविशत्तं ह्यालये NAKULA bei AUFRICHT, UṆĀDIS. S. 260, N.
ह्याशना (ह्य + अशन Speise) f. Boswellia thurifera Roxb. ÇABDAK. im ÇKDR.
ह्यास्य (ह्य + आस्य) adj. ein Pferdemaul habend, m. Vishṇu in einer best. Manifestation (vgl. ह्यग्रीव, ह्यशिरस्) BHĀG. P. 11, 4, 17. ँक dass. PAÑKĀR. 4, 8, 91.
ह्यिन् (von ह्य) adj. zu Pferde sitzend, Reiter MBH. 8, 209. MĀRK. P. 21, 49. S. 656, Z. 8 v. u.
ह्ये interj. he! ei! ह्ये देवा यूयमिदापर्यः स्व RV. 2, 29, 4. ह्ये नरो महतो मूकतो नः 5, 87, 8. 10, 95, 1. ÇĀT. BR. 11, 5, 4, 6. GOBH. 4, 8, 1.
ह्येष्ट (ह्य + इष्ट erwünscht) m. Gerste RĀGĀN. im ÇKDR. fehlt in unseren Hdschr.
ह्येत्तम (ह्य + उ°) m. ein vorzügliches —, edles Ross TRIG. 2, 8, 43. MBu. 3, 2794.
ह्यंगव BHĀG. P. 10, 9, 6 wohl nur fehlerhaft für ह्यंगव.
1. ह्य = भर P. 8, 2, 32, Vārt. ह्यति, ०ति (selten und meistens des Metrums wegen) DUĀTUP. 22, 2 (ह्यपो). जहार, जह्य BHĀG. P. 10, 60, 40. जह्ये; अह्यति, अह्यः अहत, अह्याम्, अह्याताम् Schol. zu P. 1, 2, 12. 8, 2, 27. VOP. 8, 132. ह्यति P. und VOP. a. a. O. ह्यष्टि, ह्येवे Schol. zu P. 3, 4, 9. ह्येवे zu 6, 1, 200. ह्युम् (ep. auch ह्यितुम्, ह्यः pass. ह्यते; ह्यत. जिह्यति DUĀTUP. 25, 15 (प्रसक्त्यकारण) nicht zu belegen. 1) tragen, halten: गिरौ भारं ह्यन्निव VS. 23, 26. शीर्षा auf dem Kopfe ÇĀT. BR. 3, 3, 17. TS. 6, 1, 9, 4. अस्याग्निं पुरस्ताद्धरति AIR. BR. 2, 6. उत्सुकम् 11. ĀCV. GRHJ. 1, 11, 6. 10. ह्यो ऽधः शिरौ हरति das Feuer TBa. 1, 1, 5, 7. ein Gefäss TS. PAṬR. 17, 8. स्वयं नोपानहौ ह्येत् M. 4, 74. भारम् P. 1, 4, 53, Schol. मुष्टिभिर्द्वारैरकाः (= जगुः Comm.) BHĀG.

P. 11, 30, 20. पशुरह्याया पदो ह्यति fert d. i. beweegt ÇĀT. BR. 3, 8, 3, 27. — 2) herbeischaffen, — bringen, holen; übergeben, vorsetzen, darbringen: यस्य ते वामो ह्यमः AV. 2, 13, 5. 14, 1, 30. पः कृत्यां ह्यद्विडंषो गृह्णम् 4, 18, 2. 5, 14, 8. AIR. BR. 3, 32. 7, 1. अयस्ये ऽत्रम् TBa. 1, 4, 9, 4. 2, 1, 6. ह्य वैवस्वतोदकम् KĀTJ. 1, 7. R. 2, 104, 5. अः फलानि ह्यिष्यति MBH. 3, 16850. R. 2, 64, 33. ह्यिष्ये जनकात्मनाम् 4, 43, 11. तस्मै जहार धनदो ह्ये वरासनम् darbringen, schenken BHĀG. P. 4, 15, 14. insbes. बलिम् (vgl. auch u. 1. बलि 1) 2) AV. 11, 4, 18. 19, 55, 7. प्राचनोप. 2, 7. MBH. 13, 6056. MĀRK. P. 29, 20. BHĀG. P. 3, 2, 21. 11, 15. 4, 14, 20. 28. 16, 21. 11, 27, 42. — 3) weg —, hinüberschaffen; verbringen, fortführen RV. 10, 16, 10; vgl. AV. 12, 2, 7. 9. 43. — 5, 29. TBa. 2, 1, 7, 1. मृतमरणम् ÇĀT. BR. 13, 2, 4, 3. 14, 8, 14, 1. मृतमये 9, 1, 16. प्राञ्चं कर्तव्ये 12, 4, 4, 6. KĀTJ. ÇR. 2, 6, 26. 3, 6, 8. पुरीषम् 5, 3, 27. 8, 7, 7. उत्तरवेदिम् 15, 6, 36. यज्ञानि 24, 6, 1. पात्राणि LĀTJ. 1, 6, 10. 2, 7, 9. 3, 12, 5. ĀCV. GRHJ. 4, 6, 2. स्तम्बयज्ञः (s. u. d. W.) z. B. TS. 1, 6, 9, 4. ग्रामनाम् Siddh. K. zu P. 1, 4, 51. अरण्यमाभीरोः BHĀTJ. 5, 47. प्रियायाः संदेशं मे ह्ये हिनtragen zu, überbringen MBH. 7. — 4) wegnehmen, entreissen, gewaltsam —, unrechtmässiger Weise sich zueignen, rauben, gewaltsam fortführen, — mit sich ziehen, entführen, fortlocken: तीरं कुड्डो ऽह्यत् AV. 10, 10, 10. ह्यतो ह्यद्यः ĀCV. GRHJ. 1, 6, 8. den Soma ÇĀT. BR. 3, 6, 2. 12, 12, 7, 1. न तं (निधिं) स्तेना न चामित्रा ह्यति M. 7, 83. 8, 29. fg. 193. गृहं तडागमारामं नेत्रं वा भीषया 264. यस्तु रज्जुं घटं कूपाद्धरेत् 319. 320. 332. सर्वकारम् 399. 9, 281. 12, 61. fg. 64. 66. 69. अमृतं जहार दानवेन्द्रेभ्यः MBH. 1, 1159. 6159. 3, 2315. कन्याः 5, 5956. fg. HARIV. 3756. R. 1, 1, 51. 61, 6. 2, 82, 10. R. GORR. 1, 55, 1. 3, 50, 24. 53, 48. 76, 29. अत्को ह्यत् ह्यति वालिनम् 4, 18, 10. MBH. 42. RAGH. 3, 39. 42. 4, 43. 12, 29. VIKR. 38. Spr. (II) 4798. गर्भस्यम् u. s. w. ह्यति कृतातः 2094. 3478. VARĀH. BRH. S. 19, 8. KATHĀS. 8, 3. 13, 147. 18, 386. मूलकं विना मूत्यम् 20, 166. 43, 127. RĀGĀ-TAR. 4, 395. 5, 165. PRAB. 21, 7. H. 382. HIT. I, 32. 50, 2. BHĀG. P. 4, 16, 24. 19, 19. 7, 4, 7. 8, 24, 8. 9, 14, 27. 23, 34. SARVADARÇANAS. 33, 6. med.: ह्यं न ह्येत् MBH. 9, 3263. कन्यां ह्यमाणः HARIV. 6673. 9243. Spr. (II) 7364. स्वदत्तां परदत्तां वा यो ह्येत् वसुधराम् Inschr. in Journ. of the Am. Or. S. 6, 540, ÇI. 1 = 7, 28, ÇI. 2. प्रद्योतस्य प्रियङ्कितरं वत्सरजो ऽत्र जह्ये MBH. ed. ST. IV. द्विजातिभ्यः तत्रिया जह्ये वसु MBH. 14, 2669. pass.: यस्य राष्ट्रद्विपत्ते दस्युभिः प्रजाः M. 7, 143. MBH. 1, 6672. 3, 15666. HARIV. 3757. 3759. R. 1, 54, 3. 3, 55. 35. ह्यते ह्यतेति (d. i. ह्यत इति; ह्यते इति gedr.) MĀRK. P. 21. 80. SARVADARÇANAS. 151, 20. ह्यस्तेन जह्ये MBH. 1, 8421. BHĀTJ. 2, 39. तेन ह्यरत्नकारि KUMĀRAS. 2, 47. पारिजातो ह्यति HARIV. 7468. ह्येत् 10039. ह्यत् MBH. 3, 11489. 13, 4554. 4817. partic. ह्येत् AV. 5. 29, 5. 12. प्राप्तुः KĀTJ. ÇR. 23, 4, 21. चौरिधनम् M. 8, 40. 189. 233. ऽसर्वस्व MBH. 3, 2274. 2276. 2297. fg. 2754. 3, 5967. R. 1, 1, 52. 61, 7. ÇĀK. 83, 9. Spr. (II) 149, v. l. VARĀH. BRH. S. 51, 28. 104, 19. KATHĀS. 4, 57. 23, 191. 29, 113. RĀGĀ-TAR. 3, 331. 4, 587. 682. MĀRK. P. 18, 14. 133, 15. ०वित्त (so ed. Bomb.) BHĀG. P. 3, 30, 33. PAÑKĀR. 96, 19. ०शिष्ट DAÇAK. 62, 1. ०सार R. 2, 33, 18. 61, 18. ह्यताधिकारा RĀGĀ-TAR. 3, 256. ह्यतच्छना तमसेव कामुदी RAGH. 8, 37. ह्ये ताडितस्त्र ह्यतश्चास्मि नभस्तलात् gewaltsam fortgezogen R. 3, 42, 40. अद्रेः कुञ्जात् — द्विपतिः Spr. (II) 5789